Title: Need to retain Brahmavart railway station and convert narrow-gauge line between Mandhna and Bithoor into broadgauge in Uttar Pradesh. - Laid.

श्री श्याम बिहार मिश्र(बिल्हौर): अध्यक्ष महोदय, कानपुर महानगर में बिठूर एक पौराणिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी है। बिठूर में ब्रम्हावर्त घाट पर पौराणिक ब्रम्हा जी की खुंटी है, जिसका अंत अंग्रेज सरकार भी नहीं ढूंढ पायी। मां सीता का तपस्वी स्थल बाल्मीकि आश्रम है और लव-कुश का जन्म स्थान है। बालक ध्रुब ने यहीं पर तपस्या की थी, यहां ध्रुब टीला है। महारानी लक्ष्मीबाई, तांत्या टोपे एवं नाना साहब पेशवा की कर्मस्थली है। यहां अंग्रेजों ने ब्रम्हावर्त के नाम से एक रेलवे स्टेशन की स्थापना की थी। मन्धना जंक्शन से 20 कि0मी0 की रेलवे लाइन बिछाई थी और तब से यह निरंतर चली आ रही है। अब रेलवे विभाग ने इस रेलवे स्टेशन को समाप्त कर दिया है। अब यहां ठेके पर रेलवे टिकट की बिक्री की जा रही है, सभी सिग्नल उखाड़ दिये गये हैं। कानपुर, फरूर्खाबाद रेलवे की लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित करने में, मन्धना से ब्रम्हावर्त तक छोटी रेलवे लाइन को सम्मिलित नहीं किया गया है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि रेलवे विभाग इस लाइन को समाप्त करना चाहता है, जिससे क्षेत्रीय निवासियों में, विशेा रूप से साधु-संतों में विशेा आक्रोश है। मेरा केन्द्र सरकार व माननीय रेल मंत्री जी से आग्रह है कि ब्रम्हावर्त रेलवे स्टेशन को यथावत कायम रखें तथा मन्धना से बिठूर तक छोटी रेलवे लाइन को बड़ी रेलवे लाइन में परिवर्तित करने के कार्यक्रम को भी सम्मिलित करें, जिससे ऐतिहासिक, पौराणिक एवं धार्मिक स्थल का स्वरूप यथावत कायम रह सके।

** Treated as Laid on the Table.